135
552 P
H
MICRO FILM

राष्ट्रीय अभिलेखागार पुस्तकालय
NATIONAL ARCHIVES LIBRARY
भारत सरकार
Government of India
नई दिल्ली
New Delhi

1182/10/4

आह्वानांक Call No.
अवाप्ति सं० Acc. No. 552

19-1
891.431
M289

552

Scan of DS Cawnpore

❀ बन्देमातरम् ❀

मज़दूर झंडे की प्रार्थना।

मातृ भूमि का मान बढ़ाये।
झंडा लाल सदा फहराये॥

टेढ़ी हँसिया सी निगाह हो, भरा रंग ख़ूनी अथाह हो।
मर मिटने की अमिट चाह हो, मरते हुये न कभी आह हो॥
साहस का सागर लहराये।
झंडा लाल सदा फहराये॥

रहा रूसियों को यह प्यारा, जहां 'ज़ार' ज़ालिम को मारा।
वही हिन्द में आज पधारा, धनिकों से करदे निपटारा॥
दुश्मन देख देख घबराये।
झंडा लाल सदा फहराये॥२॥

ऐ प्यारे मज़दूरो आओ, इस झंडे की शान बढ़ाओ।
आज़ादी के गाने गाओ, बलि-वेदी पर भेंट चढ़ाओ॥
दशों दिशाओं को थहराये।
झंडा लाल सदा फहराये॥३॥

साम्यवाद का पाठ पढ़ादो, सोया भारत भाग्य जगादो।
बढ़कर भीषण क्रान्ति मचा दो, अन्यायी सरकार मिटादो॥
जय-घोष से गगन घहराये।
झंडा लाल सदा फहराये॥४॥

उमड़ उठे फिर जोश जवानी, बहे ख़ून बहता ज्यों पानी।
जीवन की हो अमर कहानी, नहीं शत्रु की रहे निशानी॥
सिंहासन रिपु का भहराये।
झंडा लाल सदा फहराये॥५॥

अग्रवाल प्रेस-कानपुर

NATIONAL ARCHIVES LIBRARY
No 552
Date 14-12-71
GOVT. OF INDIA

IMPERIAL RECORD DEPARTMENT
RECEIVED
10 DEC. 1930

आवाहन ।

ऐ मज़दूर जवानो आओ !

जननी ने दुख बहुत उठाया, लेकिन सुखसे तुम्हें सुलाया ।
आज परीक्षा का दिन आया, पीछे पैर न पड़ने पावें ॥
ऐ मज़दूर जवानो आओ ।
मरते दम तक क़दम बढ़ाओ ॥१॥

मत अब और अधिक रोने दो, मुख न आँसुओं से धोने दो ।
माँ ! का मन न मलिन होनेदो, क्यों फटती न दर्द से छाती ॥
अब न दूध उसका शरमाओ ।
ऐ मज़दूर जवानो आओ ॥२॥

तुम हो आफ़त के परकाले, आज़ादी में हो मतवाले ।
आओ सर से कफ़न सँभाले, बीरो ! अब अपने साहस से ।
दुश्मन के दिल को दहलाओ ।
ऐ मज़दूर जवानों आओ ॥३॥

चूस चूस कर खूं न तुम्हारा, है कितनों को भूखों मारा ।
बढ़ा द्रोहियों का दल सारा, क्यों चुप हो बैठ मन मारे ?
जौहर अपने आज दिखाओ ।
ऐ मज़दूर जवानों आओ ॥४॥

जीवन की घड़ियां भरती है, पड़ी दासता में मरती है ।
आवाहन तुमको करती है, बलि वेदी पर भेंट चढ़ाओ :-
शान्त क्रान्ति का पाठ पढ़ाओ ।
ऐ मज़दूर जवानो आओ ॥५॥

प्रकाशक :- सूर्य्यप्रसाद अवस्थी
प्रधान मंत्री
कानपुर, मज़दूर सभा ।